अति महत्वपूर्ण

सं. ई. 11021/01/2017-हिन्दी / 1367-1450

भारत सरकार

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय

श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग
नई दिल्ली, दिनांकः 25.08.2017

विषयः 'हिन्दी पखवाड़ा, 2017' के अवसर पर माननीया जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री जी, माननीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण राज्य मंत्री जी तथा माननीय सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण) की ओर से जारी संदेश व अपील।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय में दिनांक 01.09.2017 से 15.09.2017 तक आयोजित किए जाने वाले **'हिन्दी पखवाड़े'** के अवसर पर माननीया जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री, माननीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण राज्य मंत्री तथा माननीय सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण) की ओर से जारी संदेश व अपील जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए इस परिपत्र के साथ संलग्न हैं।

2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के सभी संगठनों के अध्यक्षों/प्रमुखों से अनुरोध है कि वे इन संदेशों व अपील के महत्व को ध्यान में रखते हुए, इनमें निहित तथ्यों एवं भावनाओं को अपने संगठन में कार्यरत समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाएं। उनसे यह अनुरोध भी है कि अपने कार्यालयों से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं में उपर्युक्त संदेशों और अपील को प्रकाशित करें।

(एम.सी. भारद्वाज)
संयुक्त निदेशक (रा.भा.)
दूरभाष 23714374

संलग्नकः यथोपरि

सेवा में,

1. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के सभी अधिकारी/अनुभाग/डेस्क/एकक।
2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के सभी संगठनों के अध्यक्ष/प्रमुख।

प्रति सूचनार्थः

1. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री जी के निजी सचिव।
2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण राज्य मंत्री जी के निजी सचिव।
3. सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव/अपर सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण) के प्रधान निजी सचिव।
4. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण के संयुक्त सचिव (प्रशासन)/संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार/संयुक्त सचिव (पीपी)/आर्थिक सलाहकार के निजी सचिव।

उमा भारती
UMA BHARTI

सत्यमेव जयते

जल संसाधन, नदी विकास
एवं गंगा संरक्षण मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF WATER RESOURCES
RIVER DEVELOPMENT AND
GANGA REJUVENATION
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI - 110001

संदेश

21 AUG 2017

'हिन्दी दिवस' के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना विलक्षण है। हमारा देश भाषा के मामले में अत्यन्त समृद्ध है। देश में सांस्कृतिक समन्वय के जो प्रयास हो रहे हैं उनमें हिन्दी भाषा का विशेष योगदान है। विपुल शब्द भण्डार वाली हिन्दी एक सरल, व्यवहारिक और जीवंत भाषा है। देश के महान विचारकों एवं दार्शनिकों ने काफी चिंतन और मनन करने के बाद हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। अतः राजभाषा कार्यान्वयन हमारा संवैधानिक दायित्व है। इसकी सार्थकता हमारी निष्ठा पर निर्भर करती है। जनता का काम जनता की भाषा में सम्पन्न हो, सरल एवं सुबोध हिन्दी में हो।

आज के संदर्भ में जल संचयन और जल का उचित प्रयोग जैसे विषय अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के जल से जुड़े हुए क्रियाकलापों से संबंधित जानकारी आम जनता की समझ में आने वाली सरल भाषा में प्रदान की जानी चाहिए। ऐसा करके हम अपने दायित्व को और अधिक महत्वपूर्ण ढंग से पूरा कर सकते हैं।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय में उत्साह के साथ 'हिन्दी पखवाड़ा समारोह' आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर हम संकल्प लें कि हम अपने कामकाज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण भावना का परिचय देंगे।

हार्दिक शुभकामनाएं।

(उमा भारती)

Room No. 210, Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110 001
Tel. : (011) 23711780, 23714663, 23714200,Fax : (011)23710804
E-mail : minister-mowr@nic.in

जल बचत - जल संचय

डॉ० संजीव कुमार बालियान
DR. SANJEEV KUMAR BALYAN

जल संसाधन, नदी विकास
एवं गंगा संरक्षण राज्य मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE FOR WATER RESOURCES
RIVER DEVELOPMENT AND
GANGA REJUVENATION
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI - 110001

संदेश

प्रिय साथियो,

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिन्दी हमारे देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। भारत के संविधान के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी है। राजभाषा हिन्दी में सरकारी कामकाज करने से सरकार और जनता के बीच परस्पर विश्वास बढ़ता है इसलिए हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करें। हमारा देश एक बहु-भाषी देश है जहां अनेक संस्कृतियां विद्यमान हैं। हिन्दी एक सेतु के रुप में काम कर रही है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सरकार ने अनेक सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराए हैं। कंप्यूटरों पर हिन्दी में काम करने में अब कोई कठिनाई नहीं है। अलग से किसी हिन्दी सॉफ्टवेयर के बगैर कंप्यूटरों पर यूनिकोड समर्थित फॉन्टस् के साथ आसानी से हिन्दी मे कार्य किया जा सकता है। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम कम्प्यूटरों पर उपलब्ध इन आधुनिक सुविधाओं के उपयोग से हिन्दी को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें और राजभाषा द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की ईमानदार कोशिश करें।

मुझे उम्मीद है कि जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी 'हिन्दी पखवाड़ा' समारोह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे।

'हिन्दी पखवाड़े' के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देते हुए 'हिन्दी पखवाड़े' की सफलता की कामना करता हूँ।

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

215, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली -110 001
दूरभाष : (011) 23708419, 23718759, फैक्स : 011-23354496
215, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel. : (011) 23708419, 23718759, Fax : 011-23354496
E-mail : mos-mowr@nic.in

जल क्रांति अभियान
जल बचत - जल संचय

विजय गोयल
Vijay Goel

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
युवा कार्यक्रम और खेल
राज्य मंत्री
जल संसाधन, नदी विकास और
गंगा संरक्षण, भारत सरकार
MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE)
YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
MINISTER OF STATE FOR
WATER RESOURCES, RIVER DEVELOPMENT
& GANGA REJUVENATION
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

21 AUG 2017

प्रिय साथियों,

हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई।

गणतंत्र भारत में राजभाषा हिंदी का सफर निरंतर प्रगति के पथ पर चलते हुए लगभग सात दशकों का हो गया है। इन बीते वर्षों में हिंदी ने न केवल राजभाषा के रूप में अपनी पहचान बनाई है बल्कि सामाजिक दायित्व को निभाते हुए जन मानस की अभिव्यक्ति का माध्यम भी बनी है। यह बहुत ही खुशी की बात है।

हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाने के संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच हिन्दी में कामकाज करने की इच्छा शक्ति स्वतः जागृत हो। इस संबंध में कार्यालय के उच्च अधिकारी पहल कर कार्यालय में सकारात्मक माहौल तैयार कर सकते हैं। देश भी अपनी भाषा से ही महान एवं शक्तिशाली बनता है।

सूचना क्रांति के इस युग में अपने विकास को कायम रखने के लिए हिंदी को भी नई तकनीकों से लैस करना होगा और आधुनिक सुविधाओं के उपयोग से हिंदी को आगे बढ़ाना होगा।

मुझे विश्वास है कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने कामकाज में सहज-सरल हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करके संविधान के प्रति निष्ठा और समर्पण का पूर्ण परिचय देंगे।

जय हिंद,

(विजय गोयल)

401, 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001, फोन : 91-11-2338 1185, 2338 6520, फैक्स : 91-11-2338 1898
401, 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001, Telephone : 91-11-2338 1185, 2338 6520, Fax : 91-11-2338 1898
वेबसाईट/Website : http://www.yas.nic.in

डॉ अमरजीत सिंह
Dr. AMARJIT SINGH
सचिव
SECRETARY
Tl. : 23710305
Fax : 23731553
E-mail : secy-mowr@nic.in

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
जल संसाधन, नदी विकास और
गंगा संरक्षण मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन,
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110 001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT &
GANGA REJUVENATION
SHRAM SHAKTI BHAWAN,
RAFI MARG, NEW DELHI-110 001
http://www.wrmin.nic.in

दिनांक: अगस्त, 2017

अपील

भारत के संविधान के अनुसार भारत संघ की राजभाषा हिन्दी है। हमारा यह दायित्व है कि केन्द्र सरकार के कार्यालयों में अधिकाधिक कार्य राजभाषा हिन्दी में करें। किसी भी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम होती है। हिन्दी का प्रयोग बढ़ाना एक राष्ट्रीय कार्य है।

मंत्रालय में दिनांक 01.09.2017 से 15.09.2017 तक "हिन्दी पखवाड़ा" आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान हिन्दी से संबंधित अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिताएं न केवल आकर्षक हैं बल्कि ज्ञानवर्द्धक भी हैं। मुझे उम्मीद है कि मंत्रालय के अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी इसमें भाग लेंगे और यह आयोजन हिन्दी में काम करने के लिए आप सभी को उत्साह और प्रेरणा प्रदान करेगा। हिन्दी में काम करने की भावना केवल हिन्दी पखवाड़े तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि पूरे वर्ष हिन्दी में कार्य किया जाना चाहिए ताकि हम अपने संवैधानिक दायित्वों को निभा सकें।

मुझे विश्वास है कि विभिन्न भाषाओं में सौहार्दपूर्ण समन्वय से हमारे मंत्रालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने सक्रिय सहयोग से राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देंगे।

इस अवसर पर, मैं आप सभी को बधाई देता हूँ और **'हिन्दी पखवाड़े'** के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

अमरजीत सिंह

(डॉ. अमरजीत सिंह)